

---

## Kurmastutih 2

---

# कूर्मस्तुतिः २

---

## Document Information



---

Text title : kUrmastutih 2

File name : kUrmastutih2.itx

Category : vishhnu, dashAvatAra

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran at gmail.com

Description/comments : Edited by S. V. Radhakrishna Shastriji

Acknowledge-Permission: Mahaperiaval Trust

Latest update : May 13, 2018

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 29, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Kurmastutih 2

---

# कूर्मस्तुतिः २

---



निरवधि च निराश्रयं च यस्य स्थितमनिवर्तितकौतुकप्रपञ्चम् ।  
प्रथम इह भवान्स कूर्ममूर्तिर्जयति चतुर्दशलोकवल्लिकन्दः ॥ १ ॥

भ्राम्यन्महागिरिनिर्घर्षणलब्धपृष्ठ-  
कण्डूयनक्षणसुखायितगाढनिद्रः ।  
सुष्वाप दीर्घतरघर्घरघोरघोषः  
श्वासाभिभूतजलधेः कमठः स वोऽव्यात् ॥ २ ॥

नमस्कुर्मः कूर्मं नमदमरकोटीरनिकर-  
प्रसर्पन्माणिक्यच्छविमिलितमाञ्जिष्ठवपुषम् ।  
जरीजृम्भङ्गिम्भद्युमणिरमणीयांशुलहरी-  
परीरम्भस्फूर्जद्वलभिदुपलाद्रिप्रतिभटम् ॥ ३ ॥

निष्प्रत्यूहमनल्पकल्पचरितस्त्रैलोक्यरक्षागुरुः  
क्रीडाकूर्मकलेवरः स भगवान्दिश्यादमन्दां मुदम् ।  
कल्पान्तोदधिमध्यमज्जनवशाद्वासरपतः संलुठत्  
पृष्ठे यस्य बभूव सैकतकणच्छायं धरित्रीतलम् ॥ ४ ॥

इति कूर्मस्तुतिः २ समाप्ता ।

Proofread by PSA Easwaran

---

Kurmastutih 2

pdf was typeset on June 29, 2023

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

